कीर्त्तन की है रात

(तर्ज : एक तेरा साथ ...)

कीर्त्तन की है रात, बाबा आज थानै आणो है
थानै कौल निभाणो है, कीर्त्तन की है रात

दरबार सांवरिया, ऐसो सज्यो प्यारो, दयालू आपको
सेवा में सांवरिया, सगला खड्या डीकै, हुक्म बस आपको
सेवा में थारी (2), म्हाने आज बिछ जाणो है
थाने कौल निभाणो है, कीर्त्तन की है रात ....

कीर्त्तन की है त्यारी, कीर्त्तन करां जमकर, प्रभु ना देर करो
वादो थारो दाता, कीर्त्तन में आणै को, धणी क्यूँ देर करो
भजना स्यूँ थाने (2), म्हाने आज रिझाणो है
थाने कौल निभाणो है, कीर्त्तन की है रात ....

जो कुछ बण्यों म्हासूँ, अर्पण प्रभु सारो, प्रभु स्वीकार करो
नादान सूँ गलती, होती ही आई है, प्रभु मत ध्यान धरो
'नन्दूँ' सांवरिया (2), थारो दास पुरानो है
थाने कौल निभाणो है, कीर्त्तन की है रात ....